and their associations, I am urging the Government to make efforts to introduce Bharat Coconut Oil by directing NAFED to get copra processed and sold to public. This way, both farmers and general public will be benefited by removing the middlemen. Thank you.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following Members associated themselves with the submission made by Shri Vaiko: Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Dr. V. Santanu Sen (West Bengal), Dr. Sasmit Patra (Odisha) and Ms. Dola Sen (West Bengal).

Need for increased funds for biodiversity conservation in the Chilika Lake

SHRIMATI SULATA DEO (Odisha): Thank you, Mr. Deputy Chairman, Sir, for giving me the permission. यह एक बहुत important topic है, जो ओडिशा से रिलेट करता है। 'India's best kept secret' जो हमारे ओडिशा के टूरिज्म की टैग लाइन है। एशिया में सबसे बड़ी brackish water lake यह चिल्का लगून है। मैं इसके संदर्भ में कहना चाहती हूं - despite being the first Indian site to be declared as wetland of importance under the Ramsar Convention in 1971, the status of biodiversity in Asia's largest brackish water lagoon, Chilika, is under threat. अभी देखा जाए, तो चिल्का लेक में बहुत सारे साइबेरियन बड्र्स आते हैं और अभी चिल्का में विंटर सीज़न चल रहा है। वहां पर बहुत सारे माइग्रेटेड बड्र्स रेस्टिंग के लिए आते हैं । चिल्का लेक उनके लिए बहुत पसंदीदा जगह है। अगर देखा जाए, तो वहां पर ईरानी डॉल्फिन भी है। चिल्का लेक का ठीक से संरक्षण करने के लिए, उसको ठीक से रखने के लिए, उसकी बायोडायवर्सिटी संरक्षित करने के लिए यह एक वेटलैंड भी है। केंद्र सरकार की तरफ से, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया की तरफ से 2022-23 में 30.51 करोड़ रुपए वेंटलैंड को कन्ज़र्व करने के लिए दिए गए हैं। अगर देखा जाए, तो चिल्का लेक के लिए या किसी भी वेटलैंड के लिए एक भी पैसे का प्रावधान नहीं हुआ है। पता नहीं ऐसा क्यों हुआ है? हम टूरिज़्म के डेवलपमेंट के बारे में बात करते हैं, वेटलैंड को संरक्षित करने की बात करते हैं, तो उसमें चिल्का लेक पहले आती है, क्योंकि वह एशिया का सबसे largest brackish water lagoon है। पहले से, फैनी के टाइम से तो चिल्का लेक बहुत मुश्किल में थी, अगर हमें उतना पैसा नहीं मिलेगा, जितना पैसा उसके संरक्षण के लिए चाहिए, तो यह कार्य कैसे होगा? ओडिशा गवर्नमेंट की जो चिल्का लेक डेवलपमेंट अथॉरिटी है, वह बहुत सारे काम खुद कर रही है।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सेंट्रल गवर्नमेंट से अनुरोध है कि वह ज्यादा से ज्यादा इसके लिए सेंट्रल असिस्टेंस दे, जिससे कि हम लोग इसको संभाल कर रख सकें, इसकी बॉयोडायवर्सिटी को संरक्षित कर सकें। बहुत सारी प्रजातियां विलुप्तप्राय हैं, जो सिर्फ चिल्का लेक में मिलती हैं और कहीं नहीं मिलती हैं, उनको हम सहेज कर रख सकें। अभी हम बोल रहे थे कि यह बर्ड रेस्टिंग का पॉइंट होता है, जहां पर विदेश के पक्षी आते हैं। गवर्नमेंट ऑफ

ओडिशा...(**समय की घंटी**)... हाई कोर्ट के द्वारा जो दिया है - हम लोगों की जो घेरी है, उसको वे कैसे डिमोलिश करते हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shrimati Sulata Deo: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Dr. Santanu Sen (West Bengal), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Ms. Dola Sen (West Bengal), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Dr. John Brittas (Kerala), and Shri Niranjan Bishi (Odisha).

धन्यवाद। माननीय डा. राधा मोहन दास अग्रवाल जी।

Demand to shift Health from State List to the Concurrent list of the Constitution

डा. राधा मोहन दास अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, मैं माननीय प्रधान मंत्री और माननीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री दोनों का आभार प्रकट करना चाहूंगा। इस देश में महिलाओं और बच्चों में खून की कमी के लिए उन्होंने 2018 में एनीमिया मुक्त अभियान चलाया। लेकिन सारे प्रयासों के बाद भी जो रिजल्ट्स हमारे सामने हैं, वे बहुत encouraging नहीं हैं। वर्ष 2015-16 में छह महीने से छह साल के बच्चों में 58.6 प्रतिशत खून की कमी होती थी, जो आज 67.1 प्रतिशत है। गर्भवती महिलाओं में 50.5 प्रतिशत खून की कमी होती थी, आज वह 52.2 प्रतिशत है। किशोर बच्चों में 29.2 प्रतिशत खून की कमी होती थी, आज 31.1 प्रतिशत बच्चों में खून की कमी है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: झा साहब, आप बैठकर बात न करें। प्लीज़।

डा. राधा मोहन दास अग्रवाल: किशोर बालिकाओं में 54.1 प्रतिशत खून की कमी होती थी, आज 59.1 प्रतिशत खून की कमी बालिकाओं में है। बहुत से ऐसे राज्य हैं, जैसे बिहार, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, पश्चिमी बंगाल और जम्मू-कश्मीर राज्य हैं, जहां पर यह कमी बहुत अधिक मात्रा में है, शायद दुनिया में सबसे ज्यादा है।

(**सभापति महोदय** *पीठासीन हुए*)

सर, मैं केरल का उदाहरण दूंगा कि शुरुआती दौर में इन्होंने खून की कमी पर बहुत अच्छा नियंत्रण किया था, लेकिन सच्चाई यह है कि पिछले पांच सालों में केरल में भी खून की कमी 35 प्रतिशत से बढ़कर 39 प्रतिशत हो गई। शैशवकाल में यह 14 परसेंट से बढ़कर 27 परसेंट हो गई और गर्भवती महिलाओं में 22 परसेंट से बढ़कर 31 परसेंट हो गई। ...(**व्यवधान**)...

सभापति महोदय, यह विषय मैं इसलिए लेकर आया हूं कि भारत सरकार के, माननीय प्रधान मंत्री जी के और माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी के सारे प्रयासों के बावजूद आज भी खून की कमी बढ़ती जा रही है। मैं एक उदाहरण देना चाहूंगा, मैं प्रशंसा करूंगा कि इमरजेंसी ने बहुत सारे